



प्रोपराइटरी आयुर्वेदिक औषधि

INTAS

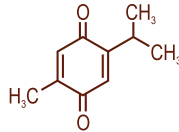
थाइमोटास

12.5 mg

प्रोडक्ट की जानकारी:

थाइमोटास इन्टास फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित विश्व की सबसे पहली थाइमोक्विनोन का पेटेंटड रिसर्च फॉर्म्यूलेशन है और वह स्थिर, मानकीकृत और रेडी-टू-यूज टैब्लेट है।

नाइजेला सट्टिवा के विभिन्न रूपों जैसे अस्थमा, हाइपरटेन्शन, डायबिटीज, सूजन, खांसी, ब्रॉकाइटिस, सिरदर्द, एक्जिमा, बुखार, चक्कर आना और इन्फ्लूएंजा समेत कई बीमारियों के उपचार के लिए प्रयोग होता है। जिसके औषधिय गुण थाइमोक्विनोन के आभारी हैं, जो विपुल मात्रा में नाइजेला सट्टिवा में से प्राप्त होता है।



चित्र: थाइमोक्विनोन की रासायनिक संरचना

वैज्ञानिक संशोधन और औषधीय गुण:

थाइमोक्विनोन की जानकारी देनेवाले अनेक वैज्ञानिक प्रकाशन उपलब्ध हैं। थाइमोक्विनोन के एंटीवायरस, एंटीबैक्टीरियल, एंटीऑक्सिडेंट, एंटीएंग्लेमेटरी, एंटीडायबिटिक, एंटीकैंसर और हेपटोप्रोटेक्टिव, आदि गुणों पर जांच कि गई है।

एंटीवायरल गुण:

थाइमोक्विनोन संक्रमित चूहा की प्लीहा और यकृत में म्यूरिन साइगोमेगालोवायरस (सी.एम.वी) को आगे बढ़ने से रोकता हुआ पाया गया है। अतिरिक्त, थाइमोक्विनोन के साथ उपचार से सीएम इन्फेक्शन-वाय (आई.एफ.एन.-वाय) के स्तर और सीडी-4+टी कोशिका और मेक्रोफेज की संख्या में बढ़ोतरी पाई गई थी। हेपेटाइटिस-बी वायरस (एच.सी.वी) के मरीजों के उपचार में लाल रक्त कोशिकाएं की गणना और एंटीऑक्सिडेंट की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी पाई गई और वायरल लॉड के साथ प्रोटीन स्तर भी कम होता हुआ पाया गया। हाल ही में टर्कि पक्षी के एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस (एच-9एन-2) के सामने थाइमोक्विनोन और क्युमिन के संयोजन से सिर्जिस्टिक असर देख ने को मिली थी। इसके अलावा इस संयोजन में टर्कि पक्षी के एंटीवायरल इम्यूनोटी के रिस्पॉन्स में भी बढ़ोतरी हुई थी। थाइमोक्विनोन अस्पेइन्-बार वायरस (ई.बी.वी.) इन्फेक्टेड बी कोषिका के अस्तित्व को बाधित करता पाया गया है।

एंटीबैक्टीरियल असर:

थाइमोक्विनोन में ग्रामपोजिटिव और ग्रामनेगेटिव बैक्टीरिया भी कई प्रजातियों के खिलाफ व्यापक एंटीबैक्टीरियल प्रभाव देखने को मिला है। बेरिलस सेरीअस, एस.ओरियस और एस. अेपिडर्मिडिस जैसे ग्रामपोजिटिव बैक्टीरिया उसके सामने ज्यादा कमजोर साबित हुए थे। इसके अलावा उसमें मेथिसिलिन-प्रतिरोधी स्टैफिलोकोक्स ओरियस (एम.आर.एस.ए.) के विरुद्ध भी प्रक्रिया पाई गई थी। थाइमोक्विनोन को एस.ओरियस और एस.एपिडर्मिडिस, एन्टरकोकोक्स फेकलिस और पी.ऐरुगिनोसा जैसे बैक्टीरियल स्ट्रेन्स में बायोफिल्म की रचना को प्रभावी रूप से बाधित करता हुआ पाया गया था। थाइमोक्विनोन ड्रग-ससेप्टेबल और ड्रग-रेजिस्टन्स एम.ट्यूबरक्युलोसिस के खिलाफ सक्षम दवाई के तौर पर पाया गया था।

एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण:

थाइमोक्विनोन उत्तम एंटीइन्फ्लेमेटरी गुणों के साथ पाया गया है और अनेक साइट्स पर असरकारक है। वह ट्यूमर नेक्रोसिस फेक्टर (टी.एन.एफ.), इन्ड्यूसिबल एन.ओ.एस., सी.ओ.एक्स-2, 5-लिपोक्सिजेनेज और सायक्लिन डी-1 जैसे प्रो-इन्फ्लेमेटरी और प्रो-लिफिटिव मीडिएटर के प्रभाव को कम करता हुआ पाया गया है, साथ ही ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर न्यूक्लियर फेक्टर कप्पा बी (NF-κB) ए.के.टी. और एक्सट्रासेल्यूलर सिग्नल-रैग्युलेटेड किनेज (इ.आर.के.) के सिग्नलिंग के पाथवेज के एक्टिवेशन बाधित करने में मदद करता है। एनएफ-केबी के एक्टिवेशन का अवरोध थाइमोक्विनोन को सूजन, प्रसार, आक्रमण, ट्यूमर सॉल सर्वाइवल और एन्जियोजेनेसिस को रोकनेवाला एक प्रभावी घटक तत्व बनाता है।

एंटीऑक्सिडेंट गुण:

थाइमोक्विनोन एनायन और आर.ओ.एस. (प्रतिक्रियाशील ऑक्सिजन प्रजातियों) के स्केवेन्जिंग द्वारा शक्तिशाली एन्टीऑक्सिडेंट के तौर पर पाया गया है। वह इस्केमिक रिपपयूजन घाव की स्थिति में सुधार कर सकता है और आंत, हृदय और किडनी में आर.ओ.एस. को भी कम करता है। वह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस मोडल में मल्टिपल ऑर्गन टोक्सिसिटी में सुधार कर सकता है। यह कई एंजाइमों की गतिविधि को प्रभावित



करता है, जो कोशिका के एंटीऑक्सिडेंट सिस्टम में शामिल फ्री- रेडिक्ल्स के सामने रक्षा करता है। निम्न मॉलोनडिआल्डीहाइड (एम.डी.ए.) के स्तर के कारण बढ़ने वाले पेरोक्सिडेशन (ए.पी.ओ.) के स्तर को थाइमोक्विनोन घटाता हुआ देखने मिला, जो उसके शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट गुण दिखाते हैं। थाइमोक्विनोन में किनोन की रचना में रेडोक्स गुण है, जो उसके एंटीऑक्सिडेंट प्रभाव के साथ जुड़ा हुआ है। इसके अलावा मोर्फोफिजियोलोजिकल अवरोध पार करने के लिए असीम क्षमताओं के कारण वह सबसेल्यूजर कंपाटमेंट में आसानी से प्रवेश कर के रेडिकलस्केवेन्जिंग प्रभाव को मुमकीन बनाता है।

एंटीडायबिटिक गुण:

ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस के कारण हानी होने वाले अग्राशय-β कोशिकाओं को थाइमोक्विनोन सुरक्षा देने में असरकारक है, वह हिपेटिक ग्लुकोनीयोजिनेसीस को कम करता है। वह इन्स्यूलिन रेजिस्टन्स, प्रोटीन ग्लायकेशन और डायबिटिक नेफ्रोपथी को बाधित करता है और उसमें अनेक एंटीडायबिटिक गुण होते हैं। थाइमोक्विनोन की एंटीऑक्सिडेंट, साइटोप्रोटेक्टिव और इम्यूनोमोड्यूलेटिंग क्रियाएं डायबिटिस के उपचार और जटिलताओं में सहायक हो सकती हैं।

एंटीकैंसर गुण:

पी.टी.इ.एन. (फोफटेज और टेन्सिन होमोलॉग) जीन और साइक्लिनडिपेन्डेन्ड कायनेस इन्हीबीटर के अपरेग्युलेशन द्वारा एपोप्टोसिस के इन्डक्शन में और कैंसरस सॉल के सेलसाइकल अरेस्ट में थाइमोक्विनोन की महत्वपूर्ण भूमिका है। अनेको कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं के सामने कैंसर को आगे बढ़ने से रोकने में थाइमोक्विनोन का अभिनव मोलेक्यूलर टार्गेट प्रोटीन काइनेज, एन.एफ.-के.बी., एन्जियोजेनेसिस और ट्यूमरिजेनेसिस का मोड्यूलेशन है। कैंसर होने से रोकने में थाइमोक्विनोन की संभावना की जांच करने के लिए पशु मॉडल और प्रयोगशाला अनुसंधान में अनेकों संशोधन एवं अध्ययन किए गए हैं।

हेपटोप्रोटेक्टिव गुण:

थाइमोक्विनोन की हेपटोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। प्रायोगिक पशु मॉडल में हेपटोऑक्सिसिटी और लिवर संबंधित रोगों के खिलाफ वह एक उत्कृष्ट प्राकृतिक सुरक्षात्मक घटक मालुम हुआ है। हेपटोप्रोटेक्शन में थाइमोक्विनोन की एन्टीऑक्सिडेंट क्षमताओं को मुख्य भूमिका रही है, इसी लिए थाइमोक्विनोन लिवर से संबंधित रोगों के उपचार और कई हानिकारक घटक और दवाइयों से बचाने के लिए एक संभवित प्राकृतिक उपचार है।

थाइमोटास का डोज:

थाइमोटास का निर्देशित डोज 12.5 मिलिग्राम प्रति दिन भोजन के बाद या डॉक्टर के परामर्श अनुसार रहेगा। इसे पूरा ही निगलें, तोड़ना या चबाना नहीं है।

सावधानी:

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए इसका उपयोग करने की अनुसंधान नहीं की जाती है। बच्चों में उसके प्रभाव और सुरक्षा का अध्ययन नहीं किया गया है।

सुरक्षा:

थाइमोक्विनोन का वैज्ञानिक मूल्य दशकों के स्थापित है और इसकी अंतर्निहित सुरक्षा को दर्शाते हुए कई प्रकाशन उपलब्ध हैं। थाइमोटास स्वास्थ्य व्यक्ति को 1000 मिलिग्राम सिंगल डोज तक सुरक्षित रूप से प्रशासित किया गया है। डायबिटिस के मरीजों के लिए 3 माह तक प्रतिदिन 100 मिलिग्राम सुरक्षित प्रयोग किया जा सकता है। किसी को थाइमोक्विनोन की अधिक मात्रा से पेट में परेशानी, दर्द आदि का कारण हो सकती है जो सामान्य और कम समय के लिए होता है।

स्टोरेज: 250 c के नीचे के तापमान में स्टोर करें।

प्रेजन्टेशन: 30 टैब्लेट की बोतल में 12.5 मिलिग्राम थाइमोटास उपलब्ध है।

Manufactured by:

INTAS

INTAS PHARMACEUTICALS LTD.

Plot No. 457, 458, Sarkhej - Bavla Road, Vill: Matoda,

Ta: Sanand, Dist: Ahmedabad-382 210. India

Customer Care: +91 079 6157 7000

Email: thymotas@intaspharma.com

INP011
10 4807 0 6005082